भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

भाविप्रा द्वारा वर्ष 2013-14 हेतु अंतिम लाभांश का भुगतान

नई दिल्ली, 2 जुलाई 2015 : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) जोकि शुरुआत से ही एक निरंतर लाभ कमाने वाला संगठन है, ने वर्ष 2013-14 हेतु रु 288 करोड़ के लाभांश की घोषणा की। रु 145 करोड़ की राशि का अंतरिम लाभांश का चेक नागर विमानन मंत्रालय को 4 अगस्त 2014 को पहले ही दिया जा चुका है।

आज (2 जुलाई 2015) को अंतिम लाभांश के लिए रु 143 करोड़ का चेक श्री आर.के. श्रीवास्तव, आईएएस, अध्यक्ष भा.वि.प्रा. द्वारा श्री आर.एन. चौबे, सचिव (नागर विमानन) की मौजूदगी में माननीय केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर माननीय नागर विमानन मंत्री द्वारा भा.वि.प्रा. की उसकी वित्तीय उपलब्धियों हेतु सराहना की गई। सचिव, नागर विमानन ने भी भाविप्रा को उसकी सतत प्रगति हेतु बधाई दी।

भाविप्रा ने रु 8170 करोड़ का राजस्व अर्जित किया जिससे रु 2520 करोड़ का कर-पूर्व लाभ प्राप्त हुआ। इसलिए वर्ष 2013-14 हेतु भारत सरकार को रु 288 करोड़ के लाभांश देने की घोषणा की गई। भाविप्रा ने पिछले तीन वर्षो (2012-13 से 2014-15) के दौरान हवाई अड्डा टर्मिनलों, यात्री सुविधाओं तथा हवाई अड्डों पर विमान यातायात एवं दिक्चालन उपकरणों पर 4358 करोड़ रुपये खर्च किए हैं तथा इस वर्ष के दौरान 2000 करोड़ रुपये खर्च की योजना है।

भाविप्रा ने पिछले पाँच वर्षों के दौरान रु 768.10 करोड़ का लाभांश के रुप में भुगतान किया है तथा पिछले तीन वर्षो (2011-12 से 2013-14) के दौरान लाभांश भुगतान के अतिरिक्त विभिन्न माध्यमों से रु. 3481 करोड़ का योगदान केन्द्रीय राजकोष में किया है।

इस अवसर पर नागर विमानन मंत्रालय तथा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

.....

जनसंपर्क निदेशालय द्वारा जारी

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें।

महाप्रबंधक जनसंपर्क, भाविप्रा 9810025069,011-24622787

सं- 21/2015-16

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने वर्ष 2013-14 हेतु नागर विमानन मंत्रालय को रु288 करोड़ के लाभांश का भुगतान किया। श्री आर.के. श्रीवास्तव आईएएस, अध्यक्ष भाविप्रा, श्री आर.एन.चौबे, आईएएस सचिव (नागर विमानन) की मौजूदगी में माननीय केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री को 2013-14 हेतु अंतिम लाभांश के रुप में रु 143 करोड़ का चेक सौंपते हुए। चित्र में नागर विमानन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, भाविप्रा बोर्ड के सदस्य तथा अन्य अधिकारी भी दिखाई दे रहे हैं।